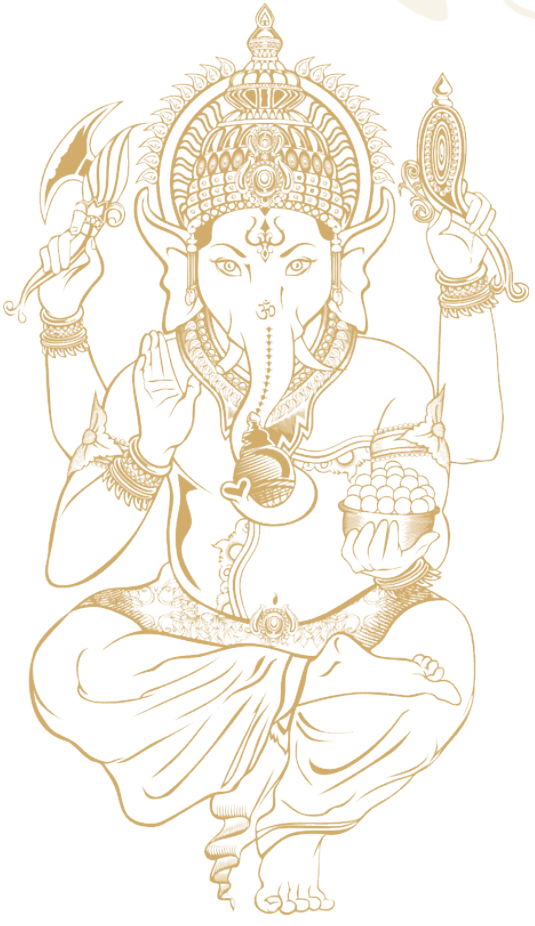

Mr.Devance vyas

Ms.Dimple

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119899808

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/12/1995	जन्म तिथि	24/05/1996
गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 16:55:00	जन्म समय	16:25:00 घंटे
घटी 24:34:06	जन्म समय(घटी)	26:45:01 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:05:21	सूर्योदय	05:42:59
17:50:10	सूर्यास्त	19:03:45
23:48:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 6मा 11दि	00:41:37	मिथु	लग्न	तुला	05:27:39	**बुध 3वर्ष 6मा 28दि**
केतु	12:26:43	धनु	सूर्य	वृष	09:44:21	**शुक्र**
10/07/2024	08:34:26	मीन	चंद्र	कर्क	27:11:34	**22/12/2006**
10/07/2031	27:37:21	धनु	मंगल	मेष	22:18:42	**22/12/2026**
केतु 06/12/2024	00:51:16	मक	बुध व	मेष	26:14:47	शुक्र 23/04/2010
शुक्र 05/02/2026	04:52:30	धनु	गुरु व	धनु	23:14:14	सूर्य 23/04/2011
सूर्य 13/06/2026	14:28:42	मक	शुक्र व	मिथु	04:08:17	चन्द्र 22/12/2012
चन्द्र 12/01/2027	25:21:50	कुंभ	शनि	मीन	11:08:15	मंगल 21/02/2014
मंगल 10/06/2027	29:42:49	कन्या व	राहु व	कन्या	22:06:57	राहु 21/02/2017
राहु 27/06/2028	29:42:49	मीन व	केतु व	मीन	22:06:57	गुरु 23/10/2019
गुरु 03/06/2029	05:21:02	मक	हर्ष व	मक	10:40:34	शनि 22/12/2022
शनि 13/07/2030	00:44:47	मक	नेप व	मक	03:46:50	बुध 22/10/2025
बुध 10/07/2031	08:01:40	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	07:52:55	केतु 22/12/2026

लग्न-चलित

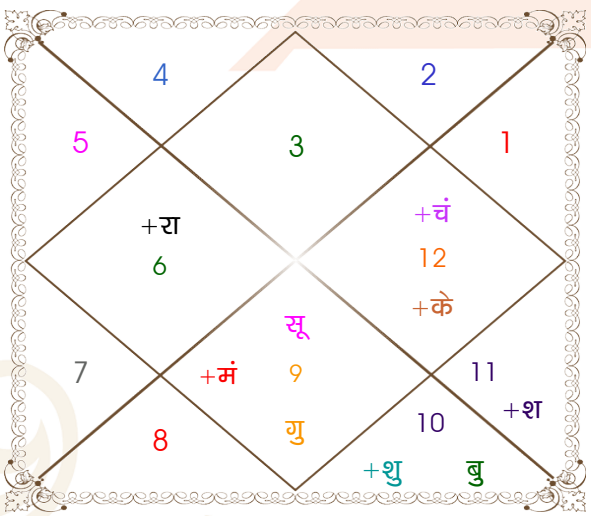

लग्न-चलित

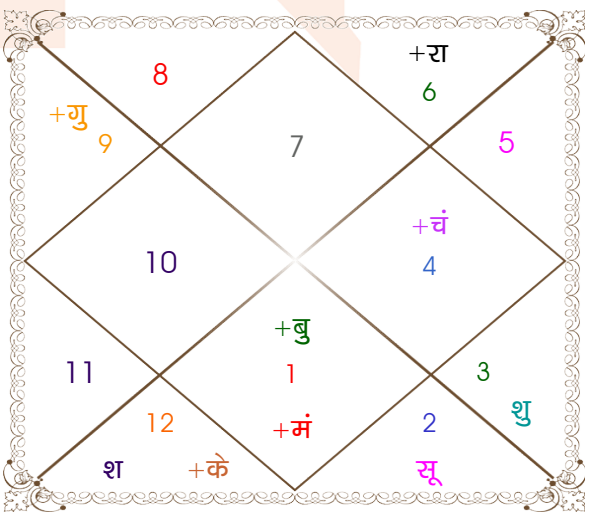

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मार्जार	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्क्मअंदबम अलें का वर्ग सर्प है तथा डेण्क्पउचसम का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्क्मअंदबम अलें और डेण्क्पउचसम का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्क्मअंदबम अलें मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु डतण्क्मअंदबम अलें कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

डेण्क्पउचसम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्क्पउचसम कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्क्पउचसम कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि डेण्क्पउचसम कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि डेण्क्पउचसम कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्क्मअंदबम अलें तथा डेण्क्पउचसम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।